

12

प्रेषक,

जी० बी० ओली,  
संयुक्त सचिव,  
उत्तराखण्ड शासन।

सेवा में,

प्रभारी प्रबन्ध निदेशक,  
उत्तराखण्ड पेयजल निगम,  
देहरादून।

पेयजल अनुभाग-2

देहरादून: दिनांक: 2) मार्च, 2012

विषय: एन०जी०आर०बी०ए० कार्यक्रम के अन्तर्गत स्वीकृत योजनाओं हेतु भारत सरकार द्वारा अवमुक्त धनराशि के सापेक्ष मैचिंग ग्रांट अवमुक्त करने के सम्बंध में।

महोदय,

उपर्युक्त विषयक एन०जी०आर०बी०ए० कार्यक्रम के अन्तर्गत स्वीकृत योजनाओं के वित्त पोषण के सम्बंध में भारत सरकार के कार्यालय ज्ञाप संख्या J-19011/2/2009-NRCD-ii दिनांक 15.07.2011 में निहित व्यवस्था एवं आपके पत्र संख्या 1502/नग०यो०अनु०/NGRBA/185 दिनांक 20.09.2011 के सन्दर्भ में मुझे यह कहने का निदेश हुआ है कि एन०जी०आर०बी०ए० कार्यक्रम के अन्तर्गत संचालित विभिन्न स्वीकृत योजनाओं हेतु भारत सरकार द्वारा अब तक अवमुक्त 3057.00 लाख के सापेक्ष matching Share 30 प्रतिशत 1309.95 लाख में से चालू वित्तीय वर्ष 2011-12 में गंगा नदी में प्रदूषण नियंत्रण तथा संरक्षण कार्य (30 प्रतिशत राज्यांश) के अन्तर्गत एन०जी०आर०बी०ए० के अन्तर्गत संचालित योजनाओं के क्रियान्वयन हेतु राज्यांश ₹ 266.00 लाख (₹ दो करोड़ छियासठ लाख मात्र) की धनराशि के व्यय हेतु निम्न शर्तों के अधीन आपके निर्वतन पर रखे जाने की श्री राज्यपाल सहर्ष स्वीकृति प्रदान करते हैं:-

(I) स्वीकृत धनराशि प्रबन्ध निदेशक, उत्तरांचल पेयजल निगम, देहरादून के हस्ताक्षर तथा जिलाधिकारी, देहरादून के प्रतिहस्ताक्षर युक्त बिल कोषागार देहरादून में प्रस्तुत करके, यथा आवश्यकतानुसार आहरित की जायेगी तथा आहरण से सम्बन्धित वाउचर संख्या व दिनांक की सूचना महालेखाकार उत्तरांचल, देहरादून तथा शासन को तुरन्त उपलब्ध करा दी जायेगी।

(II) केन्द्रांश/राज्यांश से निर्मित योजना के कार्यों की वित्तीय/भौतिक प्रगति का विवरण शासन/भारत सरकार को तत्काल उपलब्ध कराया जायेगा। पूर्व में अवमुक्त धनराशि की उपयोग की स्थिति मात्र 50 प्रतिशत के लगभग है जो कि काफी कम है। अतः इसकी स्थिति में सुधार लाकर पूर्व अवमुक्त तथा अब अवमुक्त धनराशि का 80 प्रतिशत से अधिक धनराशि का उपयोग सुनिश्चित कर शेष राज्यांश का प्रस्ताव प्रेषित किया जायेगा।

(III) स्वीकृत की जा रही धनराशि का दिनांक 31.03.2012 तक पूर्ण उपयोग कर कार्यों का वित्तीय/भौतिक प्रगति का विवरण शासन को प्रस्तुत कर दिया जाय।

(IV) कार्य की गुणवत्ता एवं समयबद्धता हेतु सम्बन्धित अधिशासी अभियन्ता पूर्ण रूप से उत्तरदायी माने जायेगे।

(V) स्वीकृत धनराशि का व्यय प्रश्नगत कार्यक्रम के अन्तर्गत भारत सरकार द्वारा निर्धारित दिशानिर्देशों के अनुसार ही किया जायेगा।



(VI) व्यय करते समय बजट मेनुअल, वित्तीय हस्तपुस्तिका, उत्तराखण्ड अधिप्राप्ति नियमावली 2008 एवं उक्त के क्रम में समय-समय पर निर्गत दिशानिर्देशों का अनुपालन किया जायेगा।

(VII) योजना इसी लागत में पूर्ण कर ली जायेगी और इसमें विलम्ब व अन्य कारणों से लागत में कोई पुनरीक्षण अनुमन्य नहीं होगा।

(VIII) कार्य पर उतना ही व्यय किया जाय जितना कि स्वीकृत नार्म है। स्वीकृत नार्म से अधिक व्यय कदापि न किया जाय।

(IX) कराये जाने वाले कार्यों पर वित्त(वे0आ0-सा0नि0) अनुभाग-7 के शासनादेश संख्या 163/XXVII(7)/2007, दिनांक 22.05.08 के अनुसार सेन्टेज प्रभार अनुमन्य होगा।

2- उपर्युक्त व्यय चालू वित्तीय वर्ष 2011-12 में अनुदान सं0-13 के अंतर्गत लेखाशीर्षक "2215-जलापूर्ति तथा सफाई-01- जलापूर्ति तथा आयोजनागत-102 - ग्रामीण जलपूर्ति कार्यक्रम-08-गंगा नदी में प्रदूषण नियंत्रण तथा संरक्षण कार्य-00- -20- सहायक अनुदान/अंशदान/ राजसहायता के नामे" डाला जायेगा।

13- यह आदेश वित्त विभाग की अशासकीय सं0- 88/XXVII(2)/2012 दिनांक 20 मार्च, 2012 में प्राप्त उनकी सहमति से जारी किये जा रहे हैं।

भवदीय,

(जी0 बी0 ओली)  
संयुक्त सचिव।

पू0सं0 125(1)/उत्तीस(2)/12-2(29पे0)/2010, तददिनांक

प्रतिलिपि-निम्नलिखित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित:-

1. निजी सचिव, मा0 पेयजल मंत्री को मा0 मंत्री जी के संज्ञानार्थ।
2. स्टाफ ऑफिसर-मुख्य सचिव।
- 3-निजी सचिव-प्रमुख सचिव पेयजल को प्रमुख सचिव के संज्ञानार्थ।
4. महालेखाकार, उत्तराखण्ड देहरादून।
5. मण्डलायुक्त, गढ़वाल।
6. निदेशक, सूचना एवं लोक सम्पर्क निदेशालय, देहरादून।
- ✓ 7. निदेशक, एन0आई0सी0, सचिवालय परिसर, देहरादून।
8. वित्त अनुभाग-2/वित्त(बजट सैल)/राज्य योजना आयोग उत्तराखण्ड।
9. जिलाधिकारी, देहरादून।
10. वरिष्ठ कोषाधिकारी, देहरादून।
11. मुख्य महाप्रबन्धक, उत्तराखण्ड जल संस्थान देहरादून।
12. मुख्य अभियन्ता गढ़वाल, उत्तराखण्ड पेयजल निगम।
13. सम्बन्धित अधिशासी अभियन्ता, उत्तराखण्ड पेयजल निगम।
14. गार्ड फाईल।

आज्ञा से,

(जी0 बी0 ओली),  
संयुक्त सचिव।